साई सुदर्शन की जगह पर रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम का ऐलान

Page-04

भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

नए पोस्टर्स में दिखे कालीन भैया, मुन्ना और गुड्डू; 11 अगस्त को ट्रेलर

Page-05

झारखंड छात्र आंदोलन:
CBI जांच पर नहीं बनी सहमति, सरकार ने CID-ED जांच का दिया भरोसा

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों और राज्य सरकार के बीच रविवार को छठे दौर की बातचीत खत्म हो गई। करीब 5 घंटे तक चली इस लंबी बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। छात्रों की सबसे बड़ी मांग परीक्षाओं की जांच CBI को सौंपने की थी, लेकिन सरकार के साथ इस मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी। बैठक के बाद झारखंड के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर सरकार ने दोतरफा जांच का फैसला लिया है। 14वीं JPSC और बैकलॉग भर्तियों में हुई गड़बड़ी के आपराधिक पहलुओं की जांच CID करेगी, जबकि पैसों के अवैध लेन-देन के मामलों की जांच के लिए ED से अनुरोध किया जाएगा। इसके अलावा, मामलों के जल्द निपटारे के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाया जाएगा और 90 दिनों के अंदर चार्जशीट दाखिल की जाएगी। भविष्य के सुधारों के लिए IIT-ISM, IIM रांची और XLRI के एक्सपर्ट्स की एक कमेटी भी बनाई जाएगी।lv मंत्री ने स्पष्ट किया कि CGL परीक्षा को रद्द करने की मांग पूरी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह परीक्षा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत हुई थी और सफल उम्मीदवार पहले ही नौकरी में आ चुके हैं। इसे एकतरफा रद्द करने का अधिकार सरकार के पास नहीं है। सरकार ने जांच की देखरेख के लिए एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे छात्रों ने खारिज कर दिया। सरकार का मानना है कि उसने छात्रों की 98% मांगें मान ली हैं।

ममता बनर्जी के काफिले का विरोध
गाड़ी पर फेंके पत्थर-कीचड़; बीजेपी बोली- हमले का समर्थन नहीं

पश्चिम बंगाल के बिजपुर में पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के काफिले का जोरदार विरोध हुआ। ममता बनर्जी यहां टीएमसी के एक दिवंगत कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और उनकी गाड़ी पर कीचड़, पत्थर और जूते फेंके जाने की घटना सामने आई। घटना के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है और टीएमसी ने इसे बीजेपी की साजिश बताया है।ममता बनर्जी ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन के पीछे बीजेपी की सोची-समझी रणनीति है। वहीं, प्रदर्शनकारियों का दावा था कि ममता बनर्जी इलाके में अशांति फैलाने के उद्देश्य से पहुंची थीं। इस घटना को लेकर दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।ममता बनर्जी के काफिले पर हुए विरोध को लेकर बीजेपी ने हमले से दूरी बना ली है। राज्य मंत्री और बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि उनकी पार्टी मारपीट, बदसलूकी या किसी नेता पर कीचड़ और जूते फेंकने जैसी घटनाओं का समर्थन नहीं करती। उन्होंने कहा कि इस तरह का व्यवहार बीजेपी की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा नहीं है।अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी के शासनकाल में बीजेपी

के अनुसार कई गलतियां हुई हैं, लेकिन एक बुजुर्ग महिला नेता के साथ इस तरह का व्यवहार करना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति बीजेपी का नाम लेकर इस तरह की हरकत करता है तो वह गलत है और पार्टी उसका समर्थन नहीं करती।बीजेपी के पश्चिम बंगाल अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने भी घटना में पार्टी की किसी भूमिका से इनकार किया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की गाड़ी पर पत्थर या चप्पल फेंकने की घटना से बीजेपी का कोई लेना-देना नहीं है और इसमें पार्टी का कोई कार्यकर्ता शामिल नहीं था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के साथ हुए इस व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि इससे पश्चिम बंगाल की छवि खराब होती है।सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि पुलिस को मामले में उचित कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने टीएमसी पर पलटवार करते हुए कहा कि बिजपुर में हुआ विरोध जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस के प्रति गुस्से और टकराव का नतीजा है। उन्होंने टीएमसी से अपने पिछले कार्यों पर आत्ममंथन करने की भी अपील की।

CGL रद्द करने से इनकार
झारखंड JPSC-JSSC विवाद पर सरकार का बड़ा फैसला

झारखंड में JPSC और JSSC अभ्यर्थियों का प्रोटेस्ट लगातार तेज हो रहा है। छात्रों की मांगों को लेकर सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच पिछले तीन दिनों से लगातार बातचीत चल रही है। इस बीच झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने JSSC CGL परीक्षा को लेकर सरकार का रुख साफ किया है। उन्होंने कहा कि CGL की जांच और भर्ती प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की निगरानी में हुई है। ऐसे में राज्य सरकार के लिए पूरी प्रक्रिया को रद्द करना संभव नहीं है। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बताया कि सरकार और छात्रों के बीच बातचीत में तीन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें जांच, संदिग्ध परीक्षाओं को रद्द करना और भर्ती प्रक्रिया में सिस्टम सुधार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 14वीं JPSC परीक्षा में अनियमितताओं के संकेत मिलने के बाद सरकार ने तत्काल कार्रवाई की। कई जगह छापेमारी की गई और डिजिटल व दस्तावेजी सबूत जुटाए गए। संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। सुदिव्य कुमार ने बताया कि JPSC के चेयरमैन और सभी सदस्यों ने भी इस्तीफा दे दिया है। सरकार ने 14वीं JPSC परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ियों की जांच CID से कराने का फैसला किया है। इसके अलावा जांच में ED को शामिल करने के लिए औपचारिक अनुरोध भेजने की बात भी कही गई है। सरकार ने 14वीं JPSC परीक्षा के साथ 'बैकलॉग 23' और 'बैकलॉग 25' परीक्षाओं को भी रद्द करने का फैसला किया है। मंत्री ने बताया कि TDPL को लेकर लगाए गए आरोपों को देखते हुए उसके जरिए आयोजित सभी परीक्षाओं की भी विस्तृत जांच की जाएगी। अगर जांच में बड़े स्तर पर अनियमितताएं सामने आती हैं तो उसके आधार पर आगे उचित कार्रवाई की जाएगी। सुदिव्य कुमार सोनू के मुताबिक, बातचीत के दौरान छात्रों ने JSSC CGL परीक्षा की पूरी प्रक्रिया रद्द करने की मांग भी रखी। इस पर सरकार ने अपना पक्ष स्पष्ट किया। मंत्री ने कहा कि CGL की पूरी जांच और भर्ती प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की निगरानी में हुई है। इसलिए राज्य सरकार के लिए इसे सीधे रद्द करना संभव नहीं है।हालांकि, सरकार ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि CGL मामले की जांच की निगरानी के लिए हाईकोर्ट के एक सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाएगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने छात्रों को प्रस्तावित आंदोलन से रोकने के लिए लगातार तीन दिनों तक बातचीत की और कई मुद्दों पर सकारात्मक कदम उठाए। इसके बावजूद छात्र सोमवार को प्रस्तावित आंदोलन वापस लेने के लिए तैयार नहीं हुए।

RG कर अस्पताल केस में फिर खुलेगी जांच
शुभेंदु अधिकारी ने किया नए सिरे से जांच का ऐलान

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 2024 में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में नए सिरे से जांच की घोषणा की। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि सरकार ने यह फैसला मृत चिकित्सक की मां के अनुरोध पर लिया है, जो अब बीजेपी की विधायक हैं। उन्होंने कहा, "रत्ना देबनाथ ने मुझे पत्र लिखकर मामले की नए सिरे से जांच का अनुरोध किया था। मुख्य सचिव और विशेषज्ञों की एक टीम के साथ विस्तृत चर्चा के बाद मैं विशेष आयोग अधिनियम, 1952 के तहत नए सिरे से जांच की घोषणा कर रहा हूं।" उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रही। उन्होंने महिला चिकित्सक के अंतिम संस्कार में कथित लापरवाही की अलग से जांच के भी आदेश दिए और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बता दें कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में अगस्त 2024 में हुई महिला पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर की रेप और हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। 9 अगस्त 2024 की सुबह अस्पताल के सेमिनार हॉल से महिला डॉक्टर का शव

मिला था, जिसकी शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि रेप के बाद उसकी बेरहमी से गला घोंटकर हत्या की गई थी और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। इस वीभत्स घटना के बाद देश भर में भारी आक्रोश फैल गया और जूनियर डॉक्टरों ने हफ्तों लंबी हड़ताल व विरोध प्रदर्शन किए।कोलकाता पुलिस ने 10 अगस्त को अस्पताल के एक नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार किया, और कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर 13 अगस्त 2024 को मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। जनवरी 2025 में कोलकाता की एक विशेष अदालत ने मुख्य आरोपी संजय रॉय को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, हालांकि मृतका के परिवार ने फांसी की मांग की थी। कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष पर सबूतों से छेड़छाड़ और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे, जिसके बाद सीबीआई ने सितंबर 2024 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए नेशनल टास्क फोर्स (NTF) का गठन किया और दिसंबर 2025 में इस मामले को कलकत्ता हाई कोर्ट को वापस ट्रांसफर कर दिया।

ED डायरेक्टर राहुल नवीन का कार्यकाल एक साल बढ़ा

केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के डायरेक्टर राहुल नवीन का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अब वह 13 अगस्त 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) ने राहुल नवीन के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी दी है। राहुल नवीन 1993 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी हैं। उनका विस्तारित कार्यकाल निर्धारित सेवानिवृत्ति की तारीख 31 जुलाई 2027 के बाद भी जारी रहेगा। राहुल नवीन बिहार से आते हैं। उनके पास आईआईटी कानपुर से बीटेक और एमटेक की डिग्री है। उन्होंने मेलबर्न स्थित स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से MBA भी किया है। ईडी की वेबसाइट के मुताबिक, राहुल नवीन को आयकर विभाग में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। उन्हें खास तौर पर अंतरराष्ट्रीय कराधान के मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। राहुल नवीन ने 2004 से 2008 के बीच मुंबई स्थित इंटरनेशनल टैक्सेशन डायरेक्टोरेट में काम किया। इस दौरान भारत में मौजूद संपत्तियों से जुड़े कई ऑफशोर लेनदेन में टैक्स डिमांड तय करने में उनकी अहम भूमिका रही। इसके बाद नवंबर 2015 से नवंबर 2017 तक उन्होंने कमिश्नर ऑफ ट्रांसफर प्राइसिंग के तौर पर काम किया। इस दौरान इंटैन्जिबल एसेट्स, रॉयल्टी पेमेंट, इनबाउंड और आउटबाउंड लोन, कमोडिटी ट्रांजैक्शन समेत ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामलों की निगरानी की। राहुल नवीन ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) में भी दो बार जिम्मेदारी संभाली। जुलाई 2000 से अप्रैल 2004 तक वह टैक्स पॉलिसी डिवीजन में अंडर सेक्रेटरी रहे। इसके बाद अप्रैल 2011 से नवंबर 2015 तक उन्होंने फॉरेन टैक्स एंड टैक्स रिसर्च डिवीजन में डायरेक्टर के तौर पर काम किया।

ईरान तनाव के बीच अमेरिका का बड़ा फैसला हथियारों का उत्पादन बढ़ाने का निर्देश

ईरान के साथ जारी सैन्य तनाव के बीच पेंटागन ने अमेरिकी डिफेंस कंपनियों को हथियारों का उत्पादन और डिलीवरी तेज करने का निर्देश दिया है।कंपनियों को 21 दिनों के भीतर उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना सौंपनी होगी, हालांकि अधिकारियों ने हथियारों का स्टॉक खत्म होने की खबरों से इनकार किया है।पैट्रियट और THAAD जैसे एयर-डिफेंस सिस्टम के लगातार इस्तेमाल से मिसाइल भंडार पर दबाव बढ़ा है, जिससे भविष्य के संकट को लेकर चिंता बढ़ गई है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान से जारी तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने देश की डिफेंस कंपनियों को हथियारों का उत्पादन तेज करने का निर्देश दिया है। इसके लिए कंपनियों को 21 दिनों के भीतर प्लान सौंपना होगा। हालांकि सैन्य अधिकारियों के अनुसार अभी पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, लेकिन भविष्य के संकटों को लेकर चिंता बनी हुई है। द वॉशिंगटन पोस्ट को मिले एक मेमो के अनुसार, अमेरीकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने देश की डिफेंस कंपनियों को हथियारों के प्रोडक्शन और डिलीवरी में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण अमेरिका के पास जरूरी गोला-बारूद और मिसाइलों का स्टॉक तेजी से कम हो रहा है, जिसे फिर से भरने का दबाव बढ़ रहा है।

डिप्टी डिफेंस सेक्रेटरी स्टीव फीनबर्ग ने डिफेंस कंपनियों को पत्र लिखकर 21 दिनों के भीतर प्रोडक्शन बढ़ाने और तेजी से डिलीवरी का प्लान जमा करने को कहा है। फीनबर्ग ने अपने पत्र में साफ लिखा कि सालों तक चलने वाले डेवलपमेंट टाइमलाइन अब स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी प्रोडक्शन क्षमता तुरंत बढ़ानी होगी। हालांकि, पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इस मेमो की पुष्टि की, लेकिन अधिकारियों ने इन खबरों का खंडन किया कि सेना के पास हथियार पूरी तरह खत्म हो गए हैं। डिफेंस इनोवेशन यूनिट के प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर जैरेड कॉनली ने कहा कि अमेरिका के पास मौजूदा युद्ध लड़ने के लिए पर्याप्त गोला-बारूद मौजूद है। अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचने के लिए पैट्रियट और थाड जैसे महंगे और एडवांस एयर-डिफेंस सिस्टम का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया है। महीनों से चल रहे इस मिलिट्री ऑपरेशन की वजह से अमरीकी सेना के पास एडवांस्ड मिसाइलों का स्टॉक युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम हो गया है। जानकारों का मानना है कि अमेरिका के पास अभी के लिए भले ही हथियार हों, लेकिन इस्तेमाल हो चुकी मिसाइलों की जगह नई मिसाइलें बनाने में कई साल लग सकते हैं। थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने चेतावनी दी है कि मिसाइल स्टॉक कम होने से अमेरिका और उसके मध्य-पूर्वी सहयोगियों के लिए आने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोकना मुश्किल हो सकता है। स्टॉक बचाने के लिए सेना को कम इंटरसेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ सकती हैं, जिससे दुश्मनों के हमले सफल होने का रिस्क बढ़ जाएगा। इसके अलावा, अमरीकी रक्षा योजनाकार इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि अगर ईरान युद्ध के बाद कोई दूसरा बड़ा वैश्विक संकट खड़ा होता है, तो अमेरिका के पास उससे निपटने के लिए पर्याप्त बैकअप स्टॉक रहेगा या नहीं।

चीन से निपटने के लिए ताइवान ड्रोन और मानवरहित नौकाओं का बड़ा बेड़ा तैयार कर रहा

चीन से संभावित सैन्य टकराव के खतरे के बीच ताइवान अपनी रक्षा रणनीति में ड्रोन और मानवरहित हथियारों की भूमिका बढ़ा रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवान बड़ी संख्या में हवाई ड्रोन और मानवरहित हमलावर नौकाओं का बेड़ा तैयार कर रहा है। इसका मकसद चीनी सेना के संभावित हमले की स्थिति में उसके सैनिकों और युद्धपोतों को रोकना है। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान यूक्रेन से मिली युद्ध की सीख के आधार पर अपनी रणनीति तैयार कर रहा है। यूक्रेन ने रूस जैसे बड़े सैन्य प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कम लागत वाले और तेजी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। अमेरिकी सैन्य कमांडरों ने ताइवान की इस रणनीति को 'हेलस्केप' नाम दिया है। इसका मकसद ड्रोन, मिसाइल और तोपों की लगातार लहरों के जरिए हमलावर सेना को इतना नुकसान पहुंचाना है कि चीन के लिए समुद्र के रास्ते ताइवान पर हमला करना बेहद जोखिम भरा हो जाए, ताइवान के सैनिकों को भी तेजी से आगे बढ़ने और ड्रोन से मिलने वाली जानकारी का इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन ड्रोन का इस्तेमाल चीनी सैनिकों की गतिविधियों का पता लगाने और जरूरत पड़ने पर उन पर हमला करने के लिए किया जा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ताइवान सरकार 2030 तक हर महीने 1 लाख ड्रोन बनाने की क्षमता विकसित करना चाहती है। इनमें से करीब आधे ड्रोन का निर्यात करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके जरिए ताइवान खुद को वैश्विक ड्रोन उद्योग में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है।

अमरनाथ यात्रा का अंतिम चरण छड़ी मुबारक के अनुष्ठानिक प्रस्थान के साथ शुरू हो रहा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमरनाथ यात्रा का मुख्य आकर्षण अब भगवान शिव की पवित्र छड़ी 'छड़ी मुबारक' की अनुष्ठानिक यात्रा होगी। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह यात्रा बृहस्पतिवार से शुरू होगी और दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा तक जाएगी। 'छड़ी मुबारक' को 12 अगस्त को यहां स्थित ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर और 13 अगस्त को शारिका भवानी मंदिर ले जाया जाएगा। इसके बाद 15 अगस्त को श्री अमरेश्वर मंदिर दशनामी अखाड़ा श्रीनगर में 'छड़ी स्थापना' के लिए अनुष्ठान किया जाएगा। महंत दीपेंद्री गिरि ने कहा, "नाग पंचमी के अवसर पर 17 अगस्त को दशनामी अखाड़ा श्रीनगर में पारंपरिक छड़ी-पूजन किया जाएगा। 22 अगस्त को पवित्र छड़ी तीर्थयात्रा के मुख्य मार्ग पर रवाना होगी और इसे स्वामी अमरनाथ जी की पवित्र गुफा तक ले जाया जाएगा, जहां 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर पूजा-अर्चना और दर्शन किए जाएंगे।" उन्होंने बताया कि 22 और 23 अगस्त को पहलगाम में, 24 अगस्त को चंदनवारी में, 25 अगस्त को शेषनाग में तथा 26 और 27 अगस्त को क्रमशः पंचतरणी में रात्रि विश्राम होगा। इससे पहले शनिवार को अधिकारियों ने अमरनाथ गुफा जाने वाले दोनों मार्गों की मरम्मत के लिए अमरनाथ यात्रा को निलंबित किए जाने की घोषणा की थी। कश्मीर के संभाग आयुक्त अंशुल गर्ग ने कहा, "यात्रा नौ अगस्त, 2026 से दोनों मार्गों पर निलंबित रहेगी। छड़ी मुबारक पारंपरिक पहलगाम मार्ग से जाएगी और 28 अगस्त को अमरनाथ यात्रा-2026 का समापन होगा।" उन्होंने कहा कि 57 दिन चलने वाली श्री अमरनाथ जी यात्रा इस वर्ष तीन जुलाई को शुरू हुई थी और 28 अगस्त को 'छड़ी मुबारक' के साथ संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा अनंतनाग जिले के चंदनवाड़ी मार्ग और गांदरबल जिले के बालटाल मार्गों से एक साथ शुरू हुई थी। गर्ग ने कहा, "अब तक चार लाख 80 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, हाल में हुई बारिश के कारण यात्रा मार्ग के संवेदनशील हिस्सों में मरम्मत और रखरखाव की जरूरत महसूस हुई है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) इन मार्गों की मरम्मत का काम कर रहा है। इसके अलावा, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में खराब मौसम की आशंका जताई है।"

भारत-बांग्लादेश रिश्तों पर हाई कमिश्नर का बड़ा बयान बोले- बातचीत से हर समस्या का समाधान संभव

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने उम्मीद जताई है कि दोनों दशों के बीच की समस्याओं को बातचीत के जरिए सुलझा लिया जाएगा। भारतीय हाई कमिश्नर रविवार को ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में इंडियन वीजा एप्लीकेशन सेंटर (IVAC) में प्ले ग्राउंड के उद्घाटन के कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान भारत-बांग्लादेश रिश्ते को लेकर उन्होंने कहा कि जब दोनों पक्ष एक-दूसरे से बात करते हैं, तो चीजें हल हो जाती हैं। दिनेश त्रिवेदी की सोमवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से मुलाकात होनी है। तारिक रहमान के साथ शिष्टाचार भेंट के बारे में पूछे जाने पर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि हम सभी बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का बहुत सम्मान करते हैं। मैंने उनके भाषण कई बार सुने हैं। वे लोगों से घुलने-मिलने वाले व्यक्ति हैं। इसी तरह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोगों से घुलने-मिलने वाले व्यक्ति हैं। भारतीय हाई कमिश्नर ने कहा कि जब हम एक-दूसरे से बात करते हैं तो समस्याएं सुलझ जाती हैं। मेरा पक्का विश्वास है कि लोग एक हैं। समाधान जरूर निकलेगा। यहां कुछ भी नकारात्मक नहीं है। सब कुछ सकारात्मक है। त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच एक एतिहासिक रिश्ता है और दोनों ओर के लोग एक-दूसरे को पसंद करते हैं। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी सोमवार, 10 अगस्त को प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात करेंगे। त्रिवेदी की बांग्लादेश के पीएम से मुलाकात दोनों देशों के रिश्ते के लिहाज से अहम है। इस साल जून में उच्चायुक्त बने दिनेश त्रिवेदी की तारिक रहमान से यह शिष्टाचार भेंट है लेकिन इससे संबंधों में बेहतरी की उम्मीद की जा रही है। भारत-बांग्लादेश के संबंधों में हालिया दिनों में कड़वाहट देखी गई है। खासतौर से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिल्ली में होने और उनकी ओर से बयान जारी किए जाने के मुद्दे पर ढाका ने अपनी नाखुशी जताई है। तारिक रहमान सरकार का कहना है कि भारत को शेख हसीना को 'बांग्लादेश विरोधी' बयान देने से रोकना चाहिए।

रूस के उप-प्रधानमंत्री ने रूस से भारत तक ट्रेन सेवा शुरू करने की बात कही

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने रूस से भारत तक ट्रेन सेवा शुरू करने के विचार पर बात की। उन्होंने समाचार एजेंसी TASS को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही। मरात खुसनुलिन ने कहा कि रूस को हिंद महासागर तक सीधी रेल लाइन बनाने की संभावना पर विचार करना चाहिए, ताकि बोस्फोरस और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े ट्रांसपोर्ट के खतरों को कम किया जा सके।संभावित कॉरिडोर के बारे में विस्तार से बात करते हुए, खुसनुलिन ने कहा कि ट्रांसपोर्ट के वैकल्पिक रास्ते तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत से कनेक्टिविटी देने वाले किसी भी रास्ते को व्यावहारिक माना जाएगा। अगर यह प्रस्तावित नेटवर्क बन जाता है, तो रूस और भारत के बीच सीधे जमीनी रेल माल ढुलाई का रास्ता खुल जाएगा। TASS के अनुसार खुसनुलिन ने कहा, "हिंद महासागर तक रेल लाइन बनाने की संभावना भी तलाशी जानी चाहिए। बोस्फोरस और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े जोखिमों के कारण वैकल्पिक रास्तों की जरूरत पड़ सकती है, जैसे तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर। भारत तक पहुंच देने वाले कोई भी विकल्प स्वीकार्य हैं।" बता दें कि वैकल्पिक व्यापार मार्गों का यह प्रस्ताव अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बाद होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री गतिविधियों में बढ़ती रुकावटों के बीच आया है। 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य हमले किए गए। इन हमलों में तेहरान सहित प्रमुख शहरी केंद्रों को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में, ईरान के IRGC ने बहरीन, जॉर्डन, इराक, कतर, कुवैत, UAE और सऊदी अरब में इज़राइली ठिकानों और अमेरिकी सैन्य अड्डों के खिलाफ जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू किए। नतीजतन, तेहरान ने ईरान के

खिलाफ अभियानों में शामिल अमेरिका, इजरायल और सहयोगी देशों से जुड़े जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट की समुद्री नाकेबंदी की घोषणा की। यह रणनीतिक रूप से अहम रास्ता (chokepoint) दुनिया के तेल व्यापार का लगभग 25 प्रतिशत और दुनिया भर में लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) की शिपमेंट का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा संभालता है।

संपादक की कलम से

केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के सरकारी हेलीकॉप्टर के कथित निजी इस्तेमाल को लेकर उठा विवाद केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहना चाहिए। असली सवाल यह है कि सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में और किन नियमों के तहत किया गया? यदि हेलीकॉप्टर का उपयोग वास्तव में निजी यात्रा के लिए हुआ है, तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इसका खर्च किस मद से हुआ और इसके लिए क्या आधिकारिक अनुमति थी।लोकतंत्र में सत्ता पक्ष से जवाबदेही की अपेक्षा इसलिए अधिक होती है क्योंकि सरकारी संसाधन जनता के पैसे से संचालित होते हैं। मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की हर सरकारी सुविधा का इस्तेमाल पारदर्शी और निर्धारित नियमों के अनुरूप होना चाहिए। खासकर तब, जब राज्य आर्थिक दबाव और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रहा हो।इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक विरोधाभास का है। विपक्ष का आरोप है कि सतीशन ने पूर्ववर्ती एलडीएफ सरकार के कार्यकाल में सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए राज्य की वित्तीय स्थिति का मुद्दा उठाया था। ऐसे में यदि अब उन्हीं सुविधाओं का इस्तेमाल निजी यात्रा के लिए किया गया है, तो जनता यह जानना चाहेगी कि परिस्थितियां कैसे अलग हैं।हालांकि, केवल विपक्ष के आरोपों के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय को सामने आकर यात्रा का उद्देश्य, हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल की अनुमति और सरकारी खजाने पर पड़े खर्च की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। यदि इस्तेमाल नियमों के तहत हुआ है, तो विवाद स्वतः कमजोर पड़ जाएगा। यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। राजनीति में पारदर्शिता का अर्थ केवल विरोधियों से सवाल पूछना नहीं, बल्कि अपने फैसलों का भी सार्वजनिक रूप से हिसाब देना है। मुख्यमंत्री से जुड़ा यह विवाद इसी कसौटी पर देखा जाना चाहिए। सरकारी संसाधन किसी व्यक्ति या दल की संपत्ति नहीं, बल्कि जनता की अमानत हैं। इसलिए उनका इस्तेमाल जितना आवश्यक हो, उतना ही पारदर्शी भी होना चाहिए।

धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान
बोले- NEET विरोध के दौरान Gen-Z को गुमराह किया गया

धर्मेंद्र प्रधान ने NEET पेपर लीक विरोध के दौरान Gen-Z को गुमराह किए जाने का दावा किया।उन्होंने कहा कि इसी विवाद के बीच उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी।साथ ही, प्रधान ने नवीन पटनायक और BJD पर उनके खिलाफ युवाओं को भड़काने का आरोप लगाया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान जेन-Z को गुमराह करने की कोशिश की गई, जिसके कारण उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। प्रधान ने ठीक दो हफ्ते पहले दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ दिया था। अब उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात कही है। प्रधान ने कहा, "जेन-Z हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मुझे कोई पर्सनल दिक्कत नहीं थी। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। पिछले 10 सालों में, 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए। उनकी ख्वाहिशें हैं, और वे भारत को 'विश्व गुरु' बनाएंगे। यह पद मेरे लिए जरूरी नहीं था।" पूर्व शिक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया था और केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। प्रधान ने 25 जुलाई को मिनिस्ट्री से इस्तीफा दे दिया था।रायराखोल में एक और मीटिंग में, प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी प्रेसिडेंट नवीन पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बीजेडी वर्कर्स के प्रोटेस्ट और उनसे "वापस जाओ" के नारों से परेशान नहीं हैं। एयरपोर्ट के पास बीजेडी यूथ और स्टूडेंट विंग के एक्टिविस्ट्स के प्रोटेस्ट का जिक्र करते हुए, जहां "धर्मेंद्र प्रधान गो बैक" जैसे नारे लगाए गए थे, उन्होंने कहा, "मैं एक किसान का बेटा हूं। अगर आप मुझे वापस जाने के लिए भी कहेंगे, तो मैं वापस आऊंगा।"प्रधान ने कहा, "नवीन बाबू मुझे ओडिशा के लोगों के लिए बदनाम और बुरा इंसान भी कहते हैं," उन्होंने बीजेडी प्रेसिडेंट पर उनके खिलाफ प्रोटेस्ट में युवाओं को शामिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, "क्या मैंने कभी ऐसा कुछ किया है, जिससे ओडिशा के लोगों को शर्म आए?", जिसके जवाब में वहां मौजूद लोगों ने जोर से "नहीं" कहा। उन्होंने कहा, "मैं भले ही राज्य का नाम न रोशन कर रहा हूं, लेकिन मैंने अपने काम से कभी लोगों को बदनाम नहीं किया है। मैं ऐसा कोई काम कभी नहीं करूंगा जिससे राज्य की इज्जत खराब हो।"प्रधान ने कहा कि वह 12 साल पहले भगवान जगन्नाथ और संबलपुर की इष्टदेवी देवी समलेश्वरी के आशीर्वाद से केंद्रीय मंत्री बने थे। पटनायक के खिलाफ उनकी टिप्पणी एक मंच से आई, जिस पर बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा में डिप्टी लीडर प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे। प्रधान ने कहा, "बीजेडी के विरोध को देखते हुए, मैंने प्रसन्ना भाई से सलाह ली थी कि मुझे जाना चाहिए या नहीं। प्रसन्ना बाबू ने मुझे आने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि मेरा स्वागत किया जाएगा। मैं उनकी इजाजत लेकर यहां आया हूं।"बीजेडी के संबलपुर जिला प्रेसिडेंट और पूर्व मंत्री रोहित पुजारी ने प्रधान पर पलटवार करते हुए कहा कि स्टूडेंट विरोध को संभालने के तरीके को लेकर बीजेपी नेता की आलोचना हुई थी। पुजारी ने कहा, "प्रधान को किसी ने बदनाम नहीं किया। उनकी पार्टी और सरकार ने जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण स्टूडेंट आंदोलन के दौरान पुलिस के लाठीचार्ज, आंसू गैस और ज़ुल्म करके उन्हें बदनाम किया है। ऐसी घटनाओं की वजह से प्रधान की आलोचना हो रही थी। मुझे समझ नहीं आता कि वह आंदोलन कर रहे स्टूडेंट्स पर पुलिस की ज्यादती के लिए पटनायक को क्यों दोषी ठहराते हैं। पटनायक उन्हें बदनाम क्यों करना चाहेंगे? पूरा देश जानता है कि उनकी वजह से 21 बच्चों ने सुसाइड कर लिया।

ममता बनर्जी की कार पर भीड़ ने हमला कर दिया, जूते-चप्पल और पानी की बोतलें फेंकीं

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी की कार पर रविवार को भीड़ ने हमला कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने उनकी गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और पानी की बोतलें, जूते-चप्पल व पत्थर फेंके। घटना के बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की गाड़ी पर कीचड़ फेंकना, पत्थर फेंकना, चप्पल फेंकने पर बीजेपी का दूर-दूर तक कोई लेना-देना हीं है। यह टीएमसी और जनता के बीच की लड़ाई है। पूर्व सीएम तो बहुत दूर की बात है, किसी महिला या नेता की गाड़ी पर पत्थर फेंका जाए, बीजेपी इसका समर्थन नहीं करती है। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि अगर पूर्व सीएम की गाड़ी पर हमला हुआ है तो जो भी कार्रवाई करेगी पुलिस करेगी। मगर टीएमसी को यह भी सोचना चाहिए कि जनता कभी अत्याचार नहीं भूली है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि घटना में भाजपा का कोई कार्यकर्ता शामिल नहीं है और हम लोग यह नहीं चाहते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार किया जाए। अगर ऐसा होगा तो भविष्य में पश्चिम बंगाल का ही चेहरा खराब होगा। ममता बनर्जी पर कथित हमले को लेकर मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि उन्होंने 14 साल जो भी किया हो, इस नई सरकार का हिस्सा होकर, हम इसका समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी पार्टी भी इसका समर्थन नहीं करती है, सरकार भी नहीं करती है। मारना, कालिख फेंकना, जूता या चप्पल फेंकना, यह हमारी संस्कृति नहीं हो सकती है। ममता बनर्जी ने बहुत कुछ किया है, बहुत गलत किया है मगर हम इसका समर्थन कभी नहीं कर सकते हैं। जो भी ऐसा कर रहा है, अगर भाजपा का स्टैंप लगाकर आप यह कर रहे हैं तो आप गलत कर रहे हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गाड़ी पर उस समय हमला हुआ जब वह नॉर्थ 24 परगना में एक TMC कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने जा रही थीं। घटना के बाद पूर्व सीएम बनर्जी ने कहा कि पुलिस के सामने ही असामाजिक तत्वों ने मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जोरदार था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो मेरा सिर फट जाता।

झारखंड छात्र आंदोलन पर हेमंत सोरेन का बड़ा बयान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

रांची में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। रविवार को यह प्रदर्शन 16वें दिन में पहुंच गया। आंदोलन कर रहे छह छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इसी बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रदर्शनकारी युवाओं को भरोसा दिलाया कि सरकार भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित धांधली के मामले में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई करेगी और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।'झारखंड आदिवासी दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि घर की समस्याओं का समाधान बातचीत और संवाद से ही निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी समस्या का हल लाठी या बंदूक से निकालना सही तरीका नहीं है। हथियारों का इस्तेमाल सीमा पर दुश्मनों का सामना करने के लिए किया जाता है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि उनकी सरकार प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग करने के पक्ष में नहीं है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं की चिंता उनकी अपनी चिंता है। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों को आश्वासन देते हुए कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले लोगों को किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जाएगा। सोरेन ने कहा, "हमने चोरी पकड़ी है और हम ही न्याय दिलाएंगे।" उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे धैर्य बनाए रखें और सरकार के साथ बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश करें।हेमंत सोरेन ने बीजेपी और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोग झूठी बातें फैलाकर राज्य के युवाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक फायदे के लिए राज्य का माहौल खराब करने और छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आंदोलन कर रहे छात्रों से किसी राजनीतिक दल का सहारा नहीं लेने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि न्याय की मांग करना छात्रों का अधिकार है और सरकार इस दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है।सोरेन ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए NEET पेपर लीक विरोधी प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि वहां प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठियां चलाई गईं और उन्हें देशद्रोही तक कहा गया। इसके विपरीत, झारखंड सरकार छात्रों की बात सुनकर बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान करना चाहती है।इसी बीच रांची के राजकीय अतिथि गृह में सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के प्रतिनिधियों के बीच छठे दौर की बातचीत हुई। छात्र JPSC और JSSC की भर्ती प्रक्रिया में सुधार की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा वे पूरे मामले की जांच CBI या राज्य से बाहर के किसी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति से कराने की मांग पर भी अड़े हुए हैं।

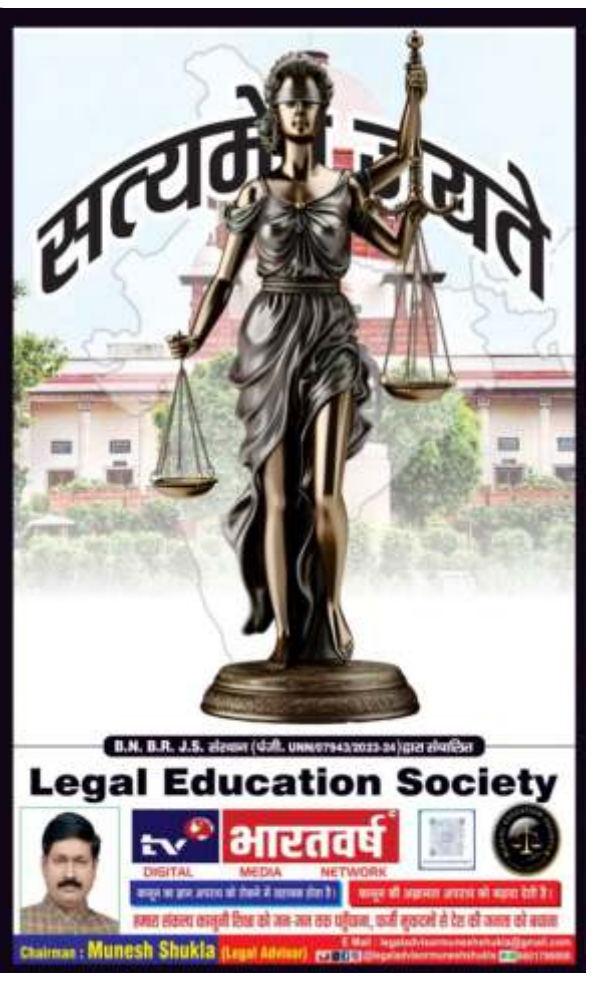

ऑक्सफोर्ड में MBA का सपना होगा आसान

पूरी फीस माफ के साथ मिलेगा ₹28 लाख सालाना

दुनिया में हायर एजुकेशन के लिए ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी को सबसे बेहतरीन संस्थान माना जाता है। ब्रिटेन की इस यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने का खर्च भी कम नहीं है, खासतौर पर अगर आपको मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) की पढ़ाई करनी है। अच्छी बात ये है कि कई सारे ऐसे संस्थान हैं, जो ऑक्सफर्ड में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देते हैं। ऐसा ही एक संस्थान ऑक्सफर्ड में MBA करने के लिए स्कॉलरशिप दे रहा है। आंत्रप्रेन्योरशिप से जुड़े हुए संस्थान स्कोल सेंटर ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी में MBA करने के लिए 'स्कोल MBA स्कॉलरशिप 2027' दे रहा है। अगर आप ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी से MBA करने का सपना देख रहे हैं, तो फिर आपके लिए गुड न्यूज है, क्योंकि आप भी इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। ये स्कॉलरशिप ऑक्सफोर्ड के 'सैड बिजनेस स्कूल' में पढ़ने के लिए दी जा रही है और अभी इसके लिए एप्लिकेशन प्रोसेस की शुरुआत हो चुकी है।MBA स्कॉलरशिप के फायदे क्या हैं?

ट्यूशन फीस माफ: स्कॉलरशिप पाने वाले स्टूडेंट की MBA कोर्स की पूरी फीस माफ हो जाएगी।

रहने-खाने का खर्च: पढ़ाई के दौरान ब्रिटेन में रहने-खाने के लिए 21,805 पाउंड (लगभग 28 लाख रुपये) सालाना दिए जाएंगे।

स्कॉलर्स कम्युनिटी की सदस्यता: स्टूडेंट को 'स्कोस स्कॉलर कम्युनिटी' का हिस्सा बनने का मौका मिलता है, जिससे दुनिया भर के दिग्गज सोशल इनोवेटर्स और लीडर्स के साथ नेटवर्किंग करने और सीखने का अवसर मिलता है।

स्कॉलरशिप लिंक: UK Skoll MBA Scholarship ऑक्सफर्ड स्कॉलरशिप के लिए कौन अप्लाई कर सकता है?

स्टूडेंट का अकेडमिक बैकग्राउंड अच्छा होना चाहिए। उसके पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मिली बैचलर्स डिग्री होनी चाहिए।

स्टूडेंट का सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड होना चाहिए। खुद का सोशल वेंचर होने पर प्राथमिकता मिल सकती है।

स्कॉलरशिप आवेदन के समय साबित करना होगा कि MBA की भारी-भरकम फीस भरना मुमकिन नहीं है।

स्टूडेंट के पास एक सोशल आंत्रप्रेन्योर होने की क्वालिटी होनी चाहिए।

उसके काम से समाज पर एक सकारात्मक और स्थायी प्रभाव दिखना चाहिए।

ऑक्सफोर्ड MBA के लिए निर्धारित अंग्रेजी भाषा जरूरतों (जैसे IELTS/TOEFL) को पूरा करना अनिवार्य है। ऑक्सफर्ड में पढ़ने के लिए मिल रही इस स्कॉलरशिप के लिए ऑनलाइन अप्लाई करना होगा। सबसे पहले आपको ऑक्सफोर्ड सैड बिजनेस स्कूल के MBA प्रोग्राम के लिए सीधे अप्लाई करना होगा और एक पूरा MBA एप्लीकेशन सबमिट करना होगा। एप्लिकेशन फॉर्म के फंडिंग सेक्शन में आपको 'स्कोल स्कॉलरशिप निबंध' मिलेगा, जिसे पूरा करके सबमिट करना जरूरी है। MBA एप्लिकेशन और स्कॉलरशिप निबंध दोनों को 8 जनवरी 2027 से पहले पूरा करना होगा। शॉर्टलिस्ट किए जाने पर उम्मीदवारों को इंटरव्यू सहित चयन प्रक्रिया के अगले चरणों के लिए बुलाया जाएगा।

दिल्ली यूनिवर्सिटी ने CSAS एडमिशन प्रोसेस के तहत UG सीट अलॉटमेंट की तीसरी लिस्ट जारी कर दी

डीयू में अभी भी एडमिशन का मौका है। दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) ने कॉमन सीट अलॉटमेंट सिस्टम (CSAS-UG) 2026 की तीसरे राउंड की सीट अलॉटमेंट लिस्ट जारी कर दी है। जो कैंडिडेट्स इंतजार कर रहे थे तो वे अब ऑफिशियल पोर्टल admission.uod.ac.in पर जाकर अपना नाम और कॉलेज आदि की जानकारी देख सकते हैं।डीयू में तीसरे राउंड का प्रोसेस पूरा करने के लिए 13 अगस्त 2026 तक का समय दिया गया है। जो लोग तय समय सीमा के भीतर अपना एडमिशन कन्फर्म नहीं कर पाते हैं, वे अपनी अलॉट की गई सीट खो सकते हैं।

जिन स्टूडेंट्स को पहले राउंड में सीट नहीं मिली थी तो उनके पास अभी भी दिल्ली यूनिवर्सिटी में एडमिशन पाने का मौका है। UG सीट अलॉटमेंट की तीसरी लिस्ट जारी होने के बाद, योग्य कैंडिडेट्स अपनी अलॉट की गई सीट को स्वीकार कर सकते हैं और 13 अगस्त, 2026 तक एडमिशन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। कैंडिडेट्स को अपडेट्स के लिए रेगुलर तौर पर CSAS पोर्टल चेक करते रहना चाहिए और तय समय-सीमा के अंदर सभी जरूरी चीजें पूरी करनी चाहिए। DU CSAS-UG पोर्टल पर जाएं और अपनी एप्लीकेशन की जानकारी (क्रेडेंशियल्स) का इस्तेमाल करके लॉग इन करें।

अपने अलॉट किए गए कॉलेज और कोर्स को देखने के लिए 'राउंड 3 सीट अलॉटमेंट' सेक्शन खोलें।

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे भविष्य के लिए अलॉटमेंट लेटर डाउनलोड या सेव कर लें।

दिल्ली यूनिवर्सिटी ने 8 अगस्त 2026 को तीसरी UG सीट अलॉटमेंट लिस्ट जारी की। जिन उम्मीदवारों को सीट अलॉट हुई है तो उन्हें 11 अगस्त 2026 तक CSAS पोर्टल के जरिए इसे स्वीकार करना होगा। सीट स्वीकार करने के बाद अलॉट किया गया कॉलेज 12 अगस्त 2026 तक एप्लीकेशन को वेरिफाई और मंजूर करेगा। वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद कैंडिडेट्स को अपना एडमिशन कन्फर्म करने के लिए 13 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन एडमिशन फीस जमा करनी स्टूडेंट्स को सलाह दी जाती है कि वे अलॉट की गई सीट रद्द होने से बचने के लिए एडमिशन प्रोसेस के हर स्टेप को तय समय-सीमा के अंदर पूरा करें।

लियोनेल मेस्सी के पिता और व्यावसायिक एजेंट जॉर्ज मेस्सी का के रोसारियो शहर स्थित अस्पताल में देहांत

साई सुदर्शन की जगह पर रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम का ऐलान

भारतीय टीम 15 अगस्त से श्रीलंका के दौरे पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसको लेकर बीसीसीआई की तरफ से स्क्वाड का पहले ही ऐलान कर दिया गया था। इसमें शामिल बल्लेबाज साई सुदर्शन जिनका चयन फिटनेस के आधार पर किया गया था वह पूरी तरह से फिट नहीं होने की वजह से 8 अगस्त को बाहर हो गए थे। अब बीसीसीआई ने साई सुदर्शन की जगह पर रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम का ऐलान कर दिया है, जिसमें लंबे समय के बाद टीम इंडिया के स्क्वाड में सरफराज खान की वापसी हुई है। सरफराज ने आखिरी टेस्ट मुकाबला नवंबर 2024 में खेला था। बीसीसीआई की तरफ से जारी की गई जानकारी में बताया गया कि सरफराज खान गाले में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मुकाबले से पहले भारतीय टीम के साथ जुड़ जाएंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए साई सुदर्शन की जगह पर शामिल किए जाने वाले सरफराज खान को लेकर बात की जाए तो उन्होंने अपना आखिरी मुकाबला नवंबर 2024 में घरेलू जमीन पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेला था। इसके बाद से सरफराज खान को अब तक खेलने का मौका नहीं मिला है। वहीं उनके अभी तक के टेस्ट करियर को लेकर बात की जाए तो सरफराज खान ने 6 टेस्ट मैचों में खेलते हुए 11 पारियों में बल्लेबाजी की है और उसमें वह 37.1 के औसत से 371 रन बनाने में कामयाब रहे हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन अर्धशतकीय और एक शतकीय पारी भी देखने को मिली है। बीसीसीआई ने सरफराज खान को श्रीलंका दौरे के लिए स्क्वाड में शामिल किए जाने के साथ साई सुदर्शन की फिटनेस को लेकर भी अपनी रिलीज में अपडेट दिया जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि सुदर्शन श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं।

अंतिम ओवर का रोमांच, सिराज की हैट्रिक

भारत और श्रीलंका क्रिकेट XI के बीच खेला गया तीन दिवसीय अभ्यास मैच किसी रोमांचक थ्रिलर से कम नहीं रहा। मैच के अंतिम दिन जीत के लिए 207 रनों का पीछा कर रही भारतीय टीम को आखिरी ओवर में 16 रनों की दरकार थी। उस समय क्रीज पर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑलराउंडर सारांश जैन मौजूद थे। अभ्यास मैच के नियमों के तहत प्रमुख बल्लेबाज अभ्यास का मौका पाने के बाद रिटायर्ड होकर ड्रेसिंग रूम लौट चुके थे। ऐसे में जीत के लिए पूरा दबाव अब गेंदबाज मोदम्मद सिराज पर था। 45वें और अंतिम ओवर की शुरुआत में भारत का स्कोर 191/4 था। ऑफ स्पिनर डब्ल्यू.के. नुवांता गेंद फेंकने आए, पहली गेंद नुवांता ने मिडिल स्टंप पर लूप गेंद फेंकी, जिस पर सिराज ने घुटना टेककर डीप मिड-विकेट के ऊपर से शानदार छक्का जड़ा। दूसरी गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थोड़ी फुल थी, सिराज ने सीधे बल्ले से मैदान के ऊपर से गेंद को 6 रनों के लिए भेजा। नुवांता की तीसरी गेंद फुल और सीधी रही, इस पर सीराज ने फिर से करारा प्रहार करते हुए छक्कों की हैट्रिक पूरी की। इससे पिछले ओवर में भी सिराज ने सोनल दिनुशा की गेंद पर अगला पैर निकालकर सामने की तरफ अपना पहला छक्का जड़ा था। कागजों पर तो सिराज के इन तीन छक्कों से भारत मैच जीत चुका था, लेकिन अभ्यास मैचों में नियमों की पाबंदी न होने के कारण दोनों टीमों ने ओवर की बाकी गेंदें खेलने का फैसला किया।

आर्यना सबालेंका को अमेरिकी ओपन से पहले बड़ा झटका

विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को अमेरिकी ओपन से पहले बड़ा झटका लगा है। कनाडा ओपन के चौथे दौर में उन्हें रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा के हाथों कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। करीब ढाई घंटे चले इस मुकाबले में 16वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंड्रोवा ने सबालेंका को 7-6, 4-6, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। मौजूदा समय में दुनिया की शीर्ष खिलाड़ी और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सबालेंका इस मुकाबले में शुरुआत से ही दबाव बनाने की कोशिश में थीं। उन्होंने पहले सेट में शुरुआती बढ़त भी हासिल कर ली थी, लेकिन अलेक्जेंड्रोवा ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद पहला सेट टाईब्रेक तक पहुंचा, जहां रूसी खिलाड़ी ने संयम बनाए रखते हुए सेट अपने नाम कर लिया है। पहला सेट गंवाने के बाद सबालेंका ने दूसरे सेट में अपने खेल की गति बढ़ाई। उन्होंने 4-3 की बढ़त हासिल करने के बाद अपनी सर्विस बरकरार रखी और सेट 6-4 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया है। इस वापसी के बाद लगा कि शीर्ष वरीय खिलाड़ी निर्णायक सेट में अपनी पकड़ मजबूत कर लेंगी, लेकिन अलेक्जेंड्रोवा ने ऐसा नहीं होने दिया है। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली है। सबालेंका के खेल में इस दौरान गलतियां बढ़ती गईं, जबकि अलेक्जेंड्रोवा लगातार आक्रामक शॉट लगाकर दबाव बनाए रखने में सफल रहीं। 5-4 के स्कोर पर मैच में बने रहने के लिए सर्विस कर रही सबालेंका ने दो मैच प्वाइंट बचा लिए थे, लेकिन तीसरे मौके पर उनकी डबल फॉल्ट ने मुकाबला खत्म कर दिया है। जीत के बाद अलेक्जेंड्रोवा ने कहा कि उन्होंने हर अंक को आखिरी अंक की तरह खेलने की कोशिश की, क्योंकि सबालेंका के खिलाफ मुकाबले में मौके बहुत कम मिलते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे सेट के बाद उन्हें लगा था कि मैच उनके हाथ से निकल चुका है, लेकिन उन्होंने स्कोर के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय सिर्फ गेंद पर ध्यान बनाए रखा है। गौरतलब है कि सबालेंका मौजूदा अमेरिकी ओपन की विजेता हैं और इस हार के साथ उनके अमेरिकी ओपन की तैयारी को थोड़ा झटका लगा है।

कौन हैं चीन के मशहूर 'डिलीवरी राइडर पोएट'?

कागज के टुकड़ों पर लिखीं 7000 कविताएं

सुबह से शाम तक लोगों के घर खाना और सामान पहुंचाना... बीच में थोड़ा वक्त मिला तो कागज के किसी टुकड़े पर कविता लिख ली. चीन के वांग जिबिंग की जिंदगी कुछ ऐसी ही रही है. पेशे से डिलीवरी राइडर वांग ने काम के बीच लिखी अपनी कविताओं से लोगों का ध्यान खींचा और अब उन्हें चीन के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों में से एक से सम्मानित किया गया है. 57 साल के वांग जिबिंग को चीन में 'डिलीवरी राइडर पोएट' के नाम से जाना जाता है. उन्हें प्रतिष्ठित लू शुन लिटरेरी प्राइज के कविता वर्ग में पुरस्कार मिला है. यह सम्मान उनकी तीसरी कविता संग्रह 'लो फ्लाइट' के लिए दिया गया है. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, वांग पिछले करीब 8 साल से पूर्वी

चीन के जिआंगसू प्रांत के कुनशान शहर में डिलीवरी राइडर का काम कर रहे हैं. करीब 2020 में उनकी पहचान एक कवि के तौर पर बनने लगी, जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कविताएं शेयर करना शुरू किया. इन कविताओं में उनकी अपनी जिंदगी के साथ-साथ चीन के उन लाखों लोगों की कहानी भी दिखाई देती है, जो गिग वर्कर के तौर पर काम करते हैं.

'डिलीवरी वर्कर' कहलाने में कोई झिझक नहीं

वांग की कविताएं सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गईं. एक यूजर ने उनकी लेखनी के बारे में कहा कि उनके शब्द बहुत सजावटी नहीं हैं, लेकिन उनमें सच्चाई और जमीन से जुड़ाव है.

ब्रैडली की दिल छू लेने वाली लव स्टोरी हुई वायरल

गर्लफ्रेंड की रिंग के लिए 8 महीने तक करता रहा डबल शिफ्ट

आज के समय में रिश्तों को लेकर अक्सर यह कहा जाता है कि सच्चा प्यार कम देखने को मिलता है. लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक कहानी लोगों का नजरिया बदल रही है. एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड के सपनों की एंगेजमेंट रिंग खरीदने के लिए आठ महीने तक दिन-रात मेहनत की. उसकी यह कहानी अब लाखों लोगों का दिल जीत रही है. यह कहानी ब्रैडली चो की है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी पूरी जर्नी शेयर की. हर दिन वह एक वीडियो पोस्ट करते थे और बताते थे कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के लिए एंगेजमेंट रिंग खरीदने के मिशन पर हैं. ब्रैडली दिन में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी करते थे. ऑफिस

खत्म होने के बाद वह देर रात तक फूड डिलीवरी का काम करते थे. घर लौटकर वीडियो एडिट करते और अगले दिन की तैयारी करते. कई महीनों तक उनकी जिंदगी ऐसी रही कि रात करीब 2 बजे सोते और सुबह 6 बजे फिर ऑफिस के लिए निकल जाते.आठ महीने के इस सफर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा.

समय और परिस्थितियां स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हो सकी हैं.

किशन सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हो रहे हैं. ऐसे में जानते हैं क्या है पूरा मामला. NEET पेपर लीक

लेकर सोशल मीडिया पर भी कुछ लोग सरकार को निशाना बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं. इसी

दरअसल, कल हुए विरोध प्रदर्शन और नीट पेपर लीक मामेल पर संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भी बच्चों के भविष्य के साथ खेलने की जुर्रत न करे या NEET अखबार को लीक करने की ताकत रखे.

अनोखा प्यार, ऑटो में पत्नी की तस्वीरें, रोज ताजे फूल

सच्चा प्यार कैसा होता है? शेरो-शायरी में इसका जिक्र मिलता है, फिल्मों में इसकी कहानियां दिखाई जाती हैं. लेकिन सच्चे प्यार की परिभाषा शायद प्यार करने वाले भी शब्दों में नहीं बता पाते. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो देखकर लोग यही कह रहे हैं कि अगर सच्चा प्यार होता है, तो शायद ऐसा ही होता है. बेंगलुरु के एक बुजुर्ग ऑटो ड्राइवर का वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है. उनके ऑटो की स्टीयरिंग के सामने बेले के फूलों की माला टंगी रहती है. पत्नी के निधन को आठ साल बीत चुके हैं, लेकिन वह आज भी हर सुबह उनके लिए ताजे फूल खरीदते हैं और ऑटो

चलाने से पहले उनकी तस्वीर पर चढ़ाते हैं. इस भावुक कहानी को इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर आशीष मैथ्यू ने शेयर किया है. वीडियो की शुरुआत बेंगलुरु के इंदिरानगर इलाके के एक ट्रैफिक सिग्नल से होती है, जहां उन्होंने एक बुजुर्ग ऑटो ड्राइवर को अपने ऑटो के अंदर बड़े प्यार से फूल सजाते हुए देखा.

मौत से रोमांचक मुकाबला

बारिश के मौसम में पहाड़ी सड़कों पर सफर कितना खतरनाक हो सकता है, इसका एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो वायरल हो रहा है. दार्जिलिंग के कुर्सियांग में एक बाइकर कुछ सेकंड के लिए मौत के बिल्कुल करीब पहुंच गया. उसकी बाइक फिसलन भरी सड़क पर बेकाबू होकर सीधे गहरी खाई की ओर बढ़ने लगी. वीडियो देखकर ऐसा लगता है कि अब उसकी जान बचना मुश्किल है, लेकिन आखिरी सेकंड में जो हुआ, उसने हर किसी की सांसें रोक दीं. इंस्टाग्राम पर अरसू नाम के यूजर ने यह वीडियो 'सेफ ड्राइव, सेफ लाइफ' कैप्शन के साथ शेयर किया है. वीडियो में अरसू अपने

हेलमेट कैमरे से बारिश के बीच पहाड़ी सड़क का नजारा रिकॉर्ड कर रहे हैं. उनसे कुछ दूरी आगे उनके साथी बप्पी बर्मन बाइक चला रहे होते हैं. शुरुआत में सबकुछ सामान्य नजर आता है, लेकिन एक मोड़ पर अचानक पूरी कहानी बदल जाती है. कैसा था नजारा

बारिश की वजह से सड़क बेहद फिसलन भरी थी. जैसे ही बप्पी बर्मन मोड़ पर पहुंचे, उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह तेजी से सड़क पर फिसलते हुए खाई की तरफ बढ़ने लगी. कुछ पल के लिए ऐसा लगा कि अब बाइक सीधे खाई में गिर जाएगी.

'मिर्जापुर: द मूवी' का बढ़ा क्रेज

नए पोस्टर्स में दिखे कालीन भैया, मुन्ना और गुड्डू; 11 अगस्त को ट्रेलर

'मिर्जापुर: द मूवी' को लेकर दर्शकों का इंतजार अब और बढ़ता जा रहा है। फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फ्रेंचाइजी के चार सबसे चर्चित किरदारों की झलक दिखाते हुए नए कैरेक्टर पोस्टर्स जारी किए हैं। इन पोस्टर्स में कालीन भैया के किरदार में पंकज त्रिपाठी, मुन्ना भैया के रूप में दिव्येंदु, गुड्डू पंडित के किरदार में अली फजल और बबलू पंडित के रूप में विक्रांत मैसी नजर आ रहे हैं। पोस्टर्स सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।मिर्जापुर: द मूवी के ट्रेलर को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स के मुताबिक फिल्म का ट्रेलर 11 अगस्त

2026 को रिलीज किया जाएगा। नए पोस्टर्स ट्रेलर लॉन्च से ठीक पहले जारी किए गए हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि फिल्म में दर्शकों को फ्रेंचाइजी की पुरानी दुनिया, नए संघर्ष और बड़े पर्दे पर एक्शन-ड्रामा का बड़ा अनुभव देखने को मिलेगा।'मिर्जापुर: द मूवी' के जरिए इस लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की कहानी पहली बार सिनेमाघरों तक पहुंच रही है। फिल्म में सीरीज के कई पसंदीदा किरदार एक बार फिर दर्शकों के सामने दिखाई देंगे। कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया की मौजूदगी ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। हालांकि, बड़े पर्दे पर इन किरदारों की कहानी किस मोड़ पर पहुंचेगी, इसे लेकर मेकर्स ने फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं रखी है।फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी बड़ी है। पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, अली फजल और विक्रांत मैसी के अलावा इसमें रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस. भी नजर आएंगे। इनके साथ चौहान, अनंगशा बिस्वास, शाजी चौधरी, सत्येंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म को अमेजन MGM स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर इसके प्रोड्यूसर हैं, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को-प्रोड्यूसर हैं।'मिर्जापुर: द मूवी' 4 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषाओं में दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। अब सभी की नजरें 11 अगस्त को रिलीज होने वाले ट्रेलर पर हैं, जिससे फिल्म की कहानी और इसके बड़े पर्दे के टकराव की पहली झलक मिलने की उम्मीद है।

पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौर का हाल जानने KGMU पहुंचे दोनों डिप्टी सीएम

दोनों डिप्टी सीएम KGMU पहुंचे और पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौर से मुलाकात कर स्वास्थ्य का हाल जाना। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी हालत में सुधार है और जल्द छुट्टी मिल सकती है।

उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य रविवार दोपहर बाद अचानक किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (K G M U) पहुंचे। दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने यहां मेडिसिन विभाग के प्राइवेट वार्ड में भर्ती पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौर से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पूर्व मंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और उनके परिजनों से भी बातचीत की। KGMU पहुंचने के बाद दोनों उपमुख्यमंत्री सीधे मेडिसिन विभाग के प्राइवेट वार्ड में गए, जहां नरेंद्र सिंह गौर का इलाज चल रहा है। उन्होंने पूर्व मंत्री से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इसके बाद डॉक्टरों और अस्पताल के अधिकारियों से उपचार की स्थिति पर चर्चा की। इस दौरान KGMU के डीन पैरामेडिक्स डॉ. केके सिंह और ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ. प्रेमराज सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अस्पताल प्रशासन की ओर से दोनों उपमुख्यमंत्रियों को पूर्व मंत्री के इलाज और वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने नरेंद्र सिंह गौर के इलाज में जुटे डॉक्टरों से भी बातचीत की और चिकित्सा सुविधाओं, उपचार की प्रगति तथा उनकी मौजूदा स्थिति के बारे में अपडेट लिया। KGMU ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ. प्रेमराज सिंह के मुताबिक, दोनों उपमुख्यमंत्री करीब दोपहर एक बजे KGMU कैंपस पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि मेडिसिन विभाग के प्राइवेट वार्ड में भर्ती नरेंद्र सिंह गौर से मुलाकात के दौरान उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने परिजनों से बातचीत कर पूर्व मंत्री के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इसके बाद दोनों ने नरेंद्र सिंह गौर के इलाज की निगरानी कर रहे मेडिसिन विभाग के डॉक्टर डॉ. दीपक से भी उपचार की स्थिति के बारे में जानकारी ली। डॉक्टरों ने बताया कि पूर्व मंत्री की हालत में पहले की तुलना में सुधार हुआ है। किडनी में हुआ संक्रमण भी अब कम हो रहा है और उपचार का असर दिखाई दे रहा है। डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि नरेंद्र सिंह गौर की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। फिलहाल डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आवश्यक उपचार किया जा रहा है। यदि स्वास्थ्य में इसी तरह सुधार जारी रहा तो उन्हें आने वाले कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है।

यूपी STF की टीम ने प्रयागराज से 1 लाख रुपये के इनामी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया

उत्तर प्रदेश में यूपी पुलिस के साथ-साथ यूपी STF की टीम अलग-अलग जिलों से बड़ी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर फरार चल रहे इनामी अपराधियों की धड़पकड़ में जुटी हुई है। यूपी STF की टीम ने रविवार को प्रयागराज से 1 लाख रुपये के इनामी और लंबे समय से फरार चल रहे सुनील कुमार भारतीया उर्फ 'गुंगे' नाम से शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। यूपी STF की टीम ने बताया कि शातिर बदमाश के खिलाफ लूट और चोरी के दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह करीब 1 साल से पुलिस व STF की नजरों छिप रहा था। मुखबिर की ओर से सूचना मिलने के बाद यूपी STF की प्रयागराज यूनिट के द्वारा घेराबंदी करके आरोपी को फाफामऊ थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, यूपी STF को पिछले काफी समय से फरार और इनामी अपराधियों को लेकर सूचनाएं मिल रही थीं। इसी बीच 1 लाख के इनामी सुनील कुमार भारतीया उर्फ 'गुंगे' को लेकर भी सूचना मिली। जिसके बाद यूपी STF टीम ने रविवार सुबह जय गुरुदेव आश्रम से 50 मीटर पीछे बेला कछार की तरफ दबिश देकर 1 लाख के इनामी बदमाश सुनील कुमार भारतीया उर्फ गुंगे को गिरफ्तार कर लिया।

KGMU के इतिहास में पहली बार दोबारा कुलपति बनीं डॉ. सोनिया नित्यानंद

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित देश के प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (KGMU) के इतिहास में अब एक नया अध्याय जुड़ गया है। दरअसल, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की ओर से लगातार अलग-अलग विश्वविद्यालयों में कुलपति की कुर्सी पर हो रहीं नियुक्ति के बीच लखनऊ के KGMU की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद को विश्वविद्यालय का दोबारा कुलपति नियुक्त किया है।बता दें कि KGMU के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जब किसी कुलपति को लगातार दूसरा कार्यकाल सौंपा गया है। कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया है, जो कि अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की ओर से किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय अधिनियम 2002 की धारा-16(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया गया है। राज्यपाल की ओर से जारी हुए आदेश के अनुसार, डॉ. सोनिया नित्यानंद को पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले तीन वर्षों की अवधि के लिए KGMU का कुलपति नियुक्त किया गया है। बताया जाता है कि दोबारा हुई इस नियुक्ति से KGMU में उनके द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों और अकादमिक सुधारों को निरंतरता मिलेगी। डॉ. सोनिया नित्यानंद के पिछले कार्यकाल के दौरान KGMU में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शोध और मरीजों की सुविधाओं में अभूतपूर्व सुधार देखा गया था। इस लिहाज से लगातार दूसरी बार कमान मिलने से विश्वविद्यालय के प्रशासनिक व चिकित्सीय ढांचे को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है। चिकित्सा जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने इसे KGMU के स्वर्णिम दौर के विस्तार के रूप में देखा है। लखनऊ स्थित KGMU की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आगामी तीन वर्षों के लिए पुन: कुलपति नियुक्त किया है। KGMU के इतिहास में लगातार दूसरा कार्यकाल पाने वाली वह पहली कुलपति बनी हैं।

लखनऊ में 22 साल के युवक की हत्या, दोस्त और उसके पिता पर आरोप; दोनों गिरफ्तार

लखनऊ में 22 साल के युवक के पेट में रॉड घोंपकर हत्या कर दी गई। उसके दोस्त ने अपनी मां की पायल बेची थी। जब यह बात उसे पता चली तो उसने दोस्त से कहा कि मैं तुम्हारे घर में बता दूंगा। इस पर दोस्त ने कहा कि जब जिंदा रहेगा, तब तो घर में बताएगा। इसके बाद दोस्त ने अपने पिता के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। युवक का शव रविवार सुबह उसके घर के बाहर पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना मड़ियांव थाना क्षेत्र के मामा कॉलोनी फैजुल्लागंज की है। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि शुभम के भाई शिवम की शिकायत पर सुमित और उसके पिता मथुरा के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। पूछताछ और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुछ दिन पहले सुमित ने एक पायल बेची थी। वह पायल शुभम ने ही बिकवाई थी। लेकिन, शुभम को कुछ दिन बाद पता चला कि सुमित ने अपनी मां की पायल बेची है। इस पर उसने सुमित से कहा कि तुम्हारी मां से बता दूंगा। तुमने मेरे जरिए उनकी पायल क्यों बिकवाई? इस बात से सुमित उससे गुस्सा हो गया। एक दिन दोनों के बीच जमकर झगड़ा हुआ।

पानी की टंकी पर चढ़ी महिला

लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को 35 साल की महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई। उसने पुलिस को फोन कर आत्महत्या करने की बात कही, जिससे पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद महिला को नीचे उतारा। नीचे आने के बाद महिला बेहोश हो गई थी। पुलिस ने उसे तुरंत लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया। महिला ने बताया कि वह अपने ससुराल वालों से परेशान है। उसने ससुराल वालों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से वह नाराज थी। इसी वजह से वह पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। पुलिस के अनुसार, कानपुर के नौबस्ता स्थित आवास विकास हंसपुरम निवासी प्रियंका सिंह (35) ने अक्टूबर 2019 में सरोजनी नगर के गौरी बाजार निवासी अभिषेक उर्फ बबलू वर्मा से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद अभिषेक उसे अपने घर में नहीं रख रहा था।

गेस्ट हाउस कांड में ब्रह्मदत्त द्विवेदी ने निभाई अहम भूमिका मायावती के सियासी सफर में संकटमोचक रहे ये नेता

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के राजनीतिक जीवन में समय-समय पर कुछ ऐसे व्यक्तित्व सामने आए, जिन्होंने संकट की घड़ी में उनका साथ दिया। हाल ही में रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के निधन के बाद एक बार फिर उन रिश्तों की चर्चा तेज हो गई, जिन्हें मायावती ने सार्वजनिक जीवन में विशेष सम्मान दिया। राजनीतिक गलियारों में यह भी याद किया जा रहा है कि इससे पहले वर्ष 1995 के चर्चित लखनऊ गेस्ट हाउस कांड के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन विधायक ब्रह्मदत्त द्विवेदी ने भी कठिन परिस्थितियों में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2 जून, 1995 का दिन एक ऐतिहासिक और विवादित घटना के रूप में दर्ज है। उस समय लखनऊ के मीराबाई स्टेट गेस्ट हाउस में तत्कालीन राजनीतिक घटनाक्रम के बीच मायावती मौजूद थीं। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के गठबंधन में तनाव अपने चरम पर था। इसी दौरान गेस्ट हाउस में भारी हंगामा हुआ। घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा और उत्तर प्रदेश की राजनीति की दिशा बदल दी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इसी घटना के बाद बसपा और भाजपा के बीच राजनीतिक समीकरण बने, जिसके परिणामस्वरूप मायावती पहली बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। गेस्ट हाउस कांड की चर्चा होते ही भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी का नाम प्रमुखता से सामने आता है। फर्रुखाबाद से कई बार विधायक रहे ब्रह्मदत्त द्विवेदी उस समय भाजपा के प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते थे। विभिन्न राजनीतिक संस्मरणों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा समय-समय पर दिए गए बयानों के अनुसार, गेस्ट हाउस में तनावपूर्ण माहौल के दौरान उन्होंने मौके पर पहुंचकर मायावती की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की बदहाल तस्वीर

10 मिनट की बारिश में जलमग्न हुई सड़क; जगह-जगह धंसाव और गड्ढे

निर्माण व गुणवत्ता में खामियों के कारण दोयम दर्जा प्राप्त कर चुका लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे शुरू से लेकर आखिरी तक खस्ताहाल होता जा रहा है। एक्सप्रेसवे पर मार्ग दबने, गड्ढे होने का अंदाजा दूर से ही लगने लगता है। बरसात में तो यह स्थिति और स्पष्ट होती है। जब सड़क दबने के बाद बनी नालियां जलभराव से डूबी दिखने लगती हैं। बरसात में ही सड़क दबने के अलावा अब भी जहां कुछ समतल मार्ग माना जा रहा है, वहां भी पानी का जमाव कई घंटे तक बना रहता है। इस सफर करना भी खतरनाक हो सकता है। बरसात का पानी नीचे चला जाने, मिट्टी के सही प्रकार से न दबने आदि के कारण एक्सप्रेसवे पर समस्या आने की बात विशेषज्ञ कह चुके हैं। 14 जुलाई को मार्ग पर जब संचालन शुरू हुआ तो बरसात की शुरुआत हुई थी। मौसम विभाग जहां शुरुआत में ही इस बार अच्छा मानसून न होने का दावा सैटेलाइट व अन्य उपकरणों से पेश की जा रही तस्वीर के आधार कर चुका है, जो बहुत हद तक सही भी रहा है। जनपद में इस बार मानसून सामान्य से भी कमजोर रहा है। सदर, पुरवा व नवाबगंज तहसील के 32 गांव से निकले एक्सप्रेसवे पर शायद ही कोई ऐसा गांव हो जहां ऊपर बने एक्सप्रेसवे मार्ग के धंसने, दबने, स्लिपेज होने, जर्क आने की समस्या न हो। कमजोर बारिश के कारण जहां संबंधित गांव के खेत अब प्यासे हैं। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसव पर उन्नाव से लखनऊ जाने वाले लेन पर सड़क दबने के बाद बनी नाली में भरा वर्षा का पानी। वहीं एक्सप्रेसवे जरा सी बरसात में इस तरह भर रहा है जैसे कोई तालाब हो। रविवार को दोपहर 3:20 से 3:30 तक हुई 10 मिनट की बरसात के बाद एक्सप्रेसवे जगह-जगह जलमग्न दिखाई दिया। मार्ग पर 60 से 90 किमी गति तक निकल रहे वाहनों के पहिए पानी में पड़ते ही 15 मीटर दूर तक छींटे उड़ते नजर आए। वहीं बरसात का पानी सड़क दबने के बाद इन्हीं नालियों में भर जाने के बाद वाहन सवार धोखे में आकर संबंधित स्थान पर लहराते नजर आए। उन्नाव लखनऊ लेन पर किलोमीटर 49.6 रावल गांव के पास एक्सप्रेसवे पर लगे डिजिटल बोर्ड के खंभे के नीचे डिवाइडर किनारे चार फीट गहरा, छह फीट लंबा व तीन फीट चौड़ा गड्ढा हुआ है। जहां रविवार को दोपहर 3:30 बजे हुई बरसात के दौरान बड़ी मात्रा में पानी इसी गड्ढे में समाता रहा। जो भीतर ही भीतर सड़क के अंदर प्रवेश करता रहा। इसी स्थान से 300 मीटर आगे किलोमीटर 48 पर निर्माण एजेंसी पीएनसी की मशीनरी और कर्मचारी पूर्व में आई सड़क समस्या को दूर करने के लिए मरम्मत करते रहे। जबकि, इस खामी पर अभी तक किसी की नजर नहीं पड़ी है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता के पद से सेवानिवृत्त इंजीनियर सुबोध कुमार ने बताया कि पैचिंग में जो सामग्री डाल रहे हैं। उसके पहले पूरी सफाई से पुराना मैटीरियल हटाया जाना चाहिए। यह लोग जो पुराना हटाने के बाद यह लोग जो पेज मिक्स का मैटीरियल डाल रहे हैं। वहीं लंबी रीच के लिए सही नहीं है। यह छोटे पैच पर काम कर सकता है। वैसे भी पूरे ग्रीन फील्ड क्षेत्र में मिट्टी कंपेक्शन सहीं नहीं हुआ है। नियम तो यह है कि जहां भी समस्या आए वहां की मिट्टी कंपेक्शन किए जाने के बाद उसका नमूना लेकर लैब में जांच कराई जाए।

बिहार थानाक्षेत्र के दरियापुर गौरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हुई

बिहार थानाक्षेत्र के दरियापुर गौरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हुई। इसके बाद हमलावर ने कई राउंड गोलीबारी की, जिससे गांव में दहशत फैल गई। पुलिस मामले की जांच कर हमलावर की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। दरियापुर गौरा निवासी विजयपाल यादव ने बताया कि राकेश कुमार यादव करीब 15 साल से अपनी ससुराल में रह रहा है। राकेश और विजयपाल के बीच लंबे समय से रंजिश चल रही है। रविवार शाम करीब चार बजे विजयपाल पड़ोसी गांव रामनाथखेड़ा जा रहे थे। गांव के बाहर एक ट्रेडर्स की दुकान के पास राकेश कुमार पहले से मौजूद था। विजयपाल के दुकान पर रुकते ही राकेश ने हमला कर दिया। लोगों के बीच-बचाव के बाद विजयपाल घर लौट आए और परिजनों को घटना बताई। जब विजयपाल परिजनों के साथ वापस आए, तो राकेश ने फिर गाली-गलौज की। उसने विजयपाल के छोटे भाई फन्नर को पीटकर घायल कर दिया।इसके बाद दहशत फैलाने के लिए राकेश छत पर चढ़ा। उसने तमंचे से कई राउंड गोलीबारी की। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने गोलीबारी की सूचना मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दहशत फैलाने के लिए एक राउंड गोली चली है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जल्द ही हमलावर को गिरफ्तार करेगी।

उन्नाव में PWD की सड़कों की खुली पोल 23 लाख खर्च के बाद भी चार महीने में टूटने लगीं सड़कें

अभी महीने भर में ध्वस्त कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का मामला गर्म चल रहा है। किरकिरी के बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी हो गई है लेकिन जनपद में पीडब्ल्यूडी दो सड़कें ऐसी हैं जो चार माह में ही टूटने लगी हैं। इसके अलावा दो सड़कों का पैचवर्क साल भर नहीं चल पाया है। अब इन सड़कों से आवागमन भी खतरनाक हो गया है जबकि इन पर करीब 23 लाख खर्च किए गए हैं। सड़कों की दुर्दशा के जिम्मेदार अफसरों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

विकास खंड बिछिया की ग्राम पंचायत सोनिक के मजरे शहजादपुर से दुर्गाखेड़ा और पिपरोसा के बीच सड़क की सामान्य मरम्मत के तहत डामरीकरण हुआ है। इस पर करीब 15 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। चार माह पहले बनी सड़क क्षतिग्रस्त होने लगी है। बारिश में डामर बह जाने से गिट्टी बाहर निकल आई है। यहां तक मिट्टी झांकने लगी है। कई जगहों पर सड़क में गड्ढे हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कम समय में सड़क में गड्ढे होने का मतलब साफ है कि ठेकेदार ने मानकविहीन काम कराया है। डामर डालने में कमी की गई है। निर्माण में मानकों का पालन न किए जाने के कारण ही सड़क जल्दी ही टूटने लगी है। विकासखंड बिछिया के गांव अलगनगढ़ में जमुनवा रेलवे फाटक से हाईवे संपर्क मार्ग तक सड़क का निर्माण भी करीब चार माह पहले लगभग पांच लाख रुपये से कराया गया था। इस मार्ग में भी गड्ढे होने लगे हैं। कुछ समय पहले हुई बारिश से गड्ढों में पानी भर गया है। इसके अलावा दो से तीन जगहों पर बजरी सड़क पर दिखने लगी है। सड़क से आवागमन के दौरान वाहन सवारों को हिचकोले खाते सफर करना पड़ रहा है।

उन्नाव-हरदोई मार्ग पर जमल्दीपुर गांव से निकल कर विकासखंड की बड़ी पंचायत उनवा, गढ़ी से बेलरावा तक पैचवर्क चार माह पहले कराया गया था। इसके अलावा बिछिया विकासखंड के मुर्तजानगर नहर से रुपऊ के बीच भी मार्ग के गड्ढे पैचिंग कार्य से भरवाए गए थे। इस पर करीब तीन लाख रुपये खर्च हुए थे। दो से तीन किलोमीटर लंबे इन मार्गों में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। गिट्टी भी बाहर निकल आई है। मार्ग में गड्ढे होने से लोगों को जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ रहा है। ऐसे में किसी भी दिन हादसा होने की आशंका बढ़ गई है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दो स्लीपर बसों का हादसा, 47 यात्री घायल

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दो अलग-अलग स्लीपर बस दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में कुल 47 सवारियां घायल हो गईं। पुलिस ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद 25 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। स्वास्थ्य महानिदेशक ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और बेहतर उपचार के निर्देश दिए। पहली घटना रविवार सुबह पांच बजे बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के देवखरी गांव के पास हुई। सिद्धार्थ नगर के चालक आशिक खान दिल्ली से गोंडा जा रही बस में 65 सवारियां लेकर जा रहे थे। ट्रक को ओवरटेक करते समय चालक को झपकी आने से बस दूसरे ट्रक से पीछे से टकरा गई। इस हादसे में चालक सहित सात सवारियां घायल हुईं। यूपीडा टीम के साथ एसडीएम बृजमोहन शुक्ला और कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। करीब 15 मिनट बाद दूसरी घटना आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बेहटामुजावर क्षेत्र के शादीपुर के पास हुई। अयोध्या के चालक अंकित दिल्ली से लखनऊ जा रही बस में लगभग 67 सवारियां बिठाकर जा रहे थे। सुबह 5:15 बजे चालक अंकित को झपकी आने और बस की 100 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार होने से बस अनियंत्रित हो गई। बस एल्यूमीनियम गार्ड तोड़ते हुए 15 फीट गहरी खंती में पलट गई। इस हादसे में चालक अंकित, परिचालक आदर्श सहित 40 सवारियां घायल हुईं, जिनमें दो विदेशी यात्री भी शामिल थे। सीओ हर्ष मोदी और थानाध्यक्ष राजकुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर छह एंबुलेंस से घायलों को बांगरमऊ सीएचसी भेजा। दोनों बसें बिहार राज्य के रजिस्ट्रेशन नंबर की थीं। दुर्घटनाओं की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीएम बृजमोहन शुक्ला, कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय, सीओ हर्ष मोदी और थानाध्यक्ष राजकुमार ने बचाव कार्य का नेतृत्व किया। घायलों को तुरंत एंबुलेंसों से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में घायलों का हाल जानने के लिए लखनऊ से स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार, जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार शर्मा पहुंचे। महानिदेशक और जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य अधिकारियों को घायलों के बेहतर उपचार के लिए निर्देश दिए।

कांवड़ियों को सुरक्षित पहुंचाने के लिए भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित

सावन के दूसरे सोमवार पर प्राचीन सुनासीर नाथ मंदिर तक कांवड़ियों को सुरक्षित पहुंचाने के लिए भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के गंजमुरादाबाद कट से वाहनों को डायवर्ट किया गया। गंगा एक्सप्रेसवे के मल्लावां कट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। हरदोई-उन्नाव की सीमा पर स्थित सुनासीर नाथ मंदिर में सावन के हर सोमवार को कई जिलों से कांवड़िए जलाभिषेक करने आते हैं। पिछले साल 20 घंटे तक 15 किलोमीटर लंबा जाम लगा था। इस बार जाम से बचने के लिए हरदोई और उन्नाव की संयुक्त पुलिस ने विशेष इंतजाम किए। मल्लावां पुलिस ने रविवार को गंगा एक्सप्रेसवे के कट पर बैरीकेटिंग कर भारी वाहनों को रोका। बांगरमऊ कोतवाली पुलिस ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के गंजमुरादाबाद कट से हरदोई जाने वाले वाहनों को बांगरमऊ से वाया संडीला मोड़ा। मल्लावां, माधौगंज और बिलग्राम जाने वाले वाहनों को सर्विस रोड पर खड़ा कराया गया। बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि यह व्यवस्था सोमवार शाम चार बजे तक लागू रहेगी। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर भी कांवड़ियों के निकलने के कारण भारी वाहनों का मार्ग परिवर्तन किया गया। कांवड़िए बाराबंकी के लोधेश्वर महादेव मंदिर जा रहे थे। वाहनों को गदनखेड़ा से लालगंज और दही चौकी तिराहे से मोहनलालगंज मार्ग की ओर मोड़ा गया। यह मार्ग परिवर्तन सोमवार रात 12 बजे तक लागू रहेगा।

मोबाइल चोरी के शक में एक र जूते-चप्पलों की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया

मोबाइल चोरी के शक में एक युवक से अमानवीयता करने का मामला सामने आया है। गांव के ही पिता-पुत्र ने मिलकर उसके हाथ रस्सी से बांध दिए, सिर मुंडवा दिया, आधी मूंछ काट दी और जूते-चप्पलों की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया। घटना का वीडियो रविवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रचलित होने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जिस युवक से अमानवीयता की गई वह दो बार चोरी में जेल जा चुका है इसके अलावा नशे का भी आदी है। आसीवन क्षेत्र के पाठकपुर गांव निवासी राजू सिंह गमेल गांव के बाहर अपने बाग में बनी झोपड़ी में रहते हैं। आरोप है कि 30 जुलाई की रात राजू और उनके बेटे राज के मोबाइल फोन गांव का सोनू राजपूत चुरा ले गया। अगले दिन राजू का मोबाइल एक बंद गुमटी के पास पड़ा मिला। इस बीच सोनू लापता हो गया। राजू और राज को पता चला कि सोनू लखनऊ में है तो वे उसे वहां से पकड़कर लाए। सोनू को ले जाकर उसके घर में शिकायत की। इसके बाद सोनू के हाथ अमानवीयता की गई। इस दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि सोनू के पिता गोकुल की तहरीर पर राजू और उसके पुत्र राज के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को जेल भेजा जाएगा।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ पर गरजे योगी कांग्रेस पर साधा निशाना; बोले- क्रांतिकारियों का सम्मान जरूरी

काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ पर CM योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश जारी है और क्रांतिकारियों को भुलाया गया।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। काकोरी शहीद स्मारक से सीएम योगी ने कहा कि देश को कमजोर करने के लिए जाति और क्षेत्र के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश आज भी जारी है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने वाली ताकतों पर भी हमला बोला। योगी ने क्रांतिकारियों के सम्मान, तिरंगे और राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर भी अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद सत्ता में आए लोगों ने कई क्रांतिकारियों को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान और वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में कमी रही। सीएम योगी ने कहा कि इन वीरों ने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया, लेकिन उनके संघर्ष को लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। अपने संबोधन की शुरुआत सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन के वीरों को श्रद्धांजलि देकर की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने इस घटना को डकैती बताया था, जबकि यह भारत की आजादी के लिए क्रांतिकारियों का साहसिक कदम था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ इस ऐतिहासिक स्थल पर मना रहे हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि अंग्रेजों ने इसे डकैती कहा था। दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में भी सत्ता में आए लोगों ने इस घटना के क्रांतिकारियों का अपमान किया और इसे काकोरी डकैती केस के नाम से जाना गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा में शामिल युवाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की सादगी, विकास, विरासत और देश की आन-बान-शान का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि देश के प्रतीकों और महापुरुषों का सम्मान हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को मजबूत किया गया है और उनका अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साल देश के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर पूरे देश में इसके सामूहिक गायन के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की एकता, गौरव और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है, जिसे हर भारतीय को सम्मान देना चाहिए।

गोरखपुर में एक बिजली ठेकेदार की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें यहां के सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव में बिजली विभाग के एक ठेकेदार जो 8 अगस्त की शाम को गांव में आयोजित ब्रह्म भोज में शामिल होने आया था उसकी कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों समेत सात अन्य लोगों को हिरासत में लेने के साथ पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 52 साल के शिवकुमार त्रिपाठी के रूप में हुई है। गोरखपुर के सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव में 8 अगस्त को जब बिजली विभाग के ठेकेदार शिवकुमार त्रिपाठी गांव में आयोजित आयोजित ब्रह्म भोज में शामिल होने आए थे तो प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उन्होंने बताया कि इसी दौरान गांव के ही राहुल चौधरी ने पीछे से उन पर कथित रूप से बांका से हमला कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों और ब्रह्म भोज आयोजित करने वाले परिवार के लोगों ने घायल त्रिपाठी को ऑटो रिक्शा से अस्पताल ले जाने का प्रयास किया। आरोप है कि रास्ते में राहुल चौधरी ने अपने भाई रोहित के साथ वाहन को रोक लिया। स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप के बावजूद दोनों कथित रूप से त्रिपाठी को खींचकर करीब 200 मीटर दूर ले गए और तलवार से उन पर कई वार किए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि करीब एक साल पहले हुई एक हत्या का बदला लेने के लिए इस वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के बाद सुरक्षा और गणना व्यवस्था में सख्ती बढ़ाई जा रही

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में एसआईटी जांच के बीच स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने नई व्यवस्था लागू की है। बैंक प्रबंधन ने नोटों की गणना के लिए सेना से रिटायर्ड 10 बैंक कर्मियों को ड्यूटी पर लगाया है। यह कदम पारदर्शिता, ईमानदारी और व्यवस्थित गणना सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। एसबीआई की अलग-अलग शाखाओं में कार्यरत इन 10 कर्मचारियों को राम मंदिर में दान की राशि की गिनती का काम सौंपा गया है। गणना के लिए कुल 12 कर्मचारियों की जरूरत बताई गई है, फिलहाल 10 को यह जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा गणना कार्य की पूरी निगरानी के लिए एक प्रभारी और क्लास-टू लेवल के अफसर को सुपरविजन के लिए तैनात किया गया है। ये सभी बैंक के नियमित स्टाफ हैं। एसओपी के अनुपालन में यह नई व्यवस्था बनाई गई है ताकि कोई गड़बड़ी न हो। बैंक प्रबंधन ने सिक्योरिटी सर्विस की सेवा समाप्ति के लिए सर्कुलर भी जारी कर दिया है। इस एजेंसी से जुड़े तीन कर्मियों को रोक लिया गया है, जिनकी जिम्मेदारी दानपात्रों की पेटियों को खाली कराने, गणना स्थल तक पहुंचाने और गणना के बाद सुरक्षित बैंक तक लाने-ले जाने की थी। एजेंसी के शेष कर्मियों को राम मंदिर से हटा दिया गया है। पहले यहां करीब तीन दर्जन कर्मचारी कार्यरत थे। चढ़ावा चोरी के आरोप में जेल में बंद आठ आरोपियों में से छह इसी एजेंसी के माध्यम से गणना कार्य में लगाए गए थे। जांच में सामने आया कि अनुबंधित एजेंसी के पास वित्तीय प्रबंधन का कोई अनुभव नहीं था, फिर भी उसे चढ़ावे की धनराशि के प्रबंधन में शामिल कर लिया गया। कर्मचारियों को ड्रेस कोड और पुलिस जांच से भी छूट दी गई थी। इसका फायदा उठाकर आरोपियों ने करोड़ों का गोलमाल किया। आपसी फूट के कारण रहस्य खुला और चोरी की धनराशि भी बरामद हुई।

मुरादाबाद में कांवड़ियों का अनोखा स्वागत

मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों और कांवड़ियों का अनोखे अंदाज में स्वागत किया गया। हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे कांवड़ियों पर नगर निगम की ओर से ड्रोन के जरिए पुष्पवर्षा की गई। हरिद्वार-मुरादाबाद स्टेट हाईवे पर जब आसमान से फूल बरसे तो सड़क पर मौजूद कांवड़ियों में उत्साह देखने को मिला। इस दौरान पूरा मार्ग 'बोल बम' के जयघोष से गूंजता रहा। मुरादाबाद में कांवड़ियों के स्वागत के लिए DM और SSP ने अनोखा अंदाज अपनाया। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्तों पर ड्रोन के जरिए फूलों की बारिश की गई। इस दौरान कांवड़ मार्ग पर 'बोल बम' के जयकारे गूंजते रहे। अधिकारियों ने कांवड़ियों की सुरक्षा, सम्मान और सुगम यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। प्रशासन की ओर से शिवभक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस और सभी संबंधित विभागों को अलर्ट रखा गया है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे हजारों कांवड़िये बरेली और मुरादाबाद मंडल के अलग-अलग इलाकों से होकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। कांवड़ियों के जत्थों के गुजरने से हाईवे पर धार्मिक माहौल बना हुआ है। भगवा वस्त्रों में सजे शिवभक्त हाथों में कांवड़ लेकर लगातार 'बोल बम' और भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मुरादाबाद नगर निगम ने कांवड़ियों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्था की। हाईवे से गुजर रहे शिवभक्तों के ऊपर ड्रोन के माध्यम से फूलों की बारिश की गई। अचानक आसमान से फूल बरसते देख कांवड़ियों में भी उत्साह नजर आया। नगर निगम की इस पहल को कांवड़ियों के सम्मान और स्वागत से जोड़कर देखा जा रहा है।